दैनिक जागरण अमर उजाला 30/6/015

सत्र पटरी पर ले आए, अब फोकस गुणवत्ता पर

जागरण संवाददाता, लखनऊ : इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट कॉलेजों में अभी तक स्नातक (यूजी), परास्नातक (पीजी) व पीएचडी कोर्सेज का सत्र डिरेल हो गया था। नए शैक्षिक सत्र 2015-16 से इसे पटरी पर लाया गया है। अब बीटेक, बीफॉर्मा, बीआर्क आदि यूजी कोर्सेज के साथ-साथ एमटेक, एमफॉर्मा, एमआर्क आदि पीजी कोर्सेज और पीएचडी में भी दाखिले चल रहे हैं। बीते सालों में पीजी व पीएचडी में दाखिले सात व आठ महीने देर से होते थे। ऐसे में मैं अब सत्र को पटरी पर ले आया हूं। आगे बात गुणवत्ता की होगी। चार इंजीनियरिंग कॉलेजों में इनोवेशन व इक्यूबेशन सेंटर खोलकर गुणवत्तापरक शोध को बढ़ावा दिया जाएगा। गुणवत्तापरक शिक्षा पर भी फोकस होगा। यह कहना उप्र प्राविधिक विश्वविद्यालय (यूपीटीयू) के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह का है। वह सिलेबस में बदलाव भी कर रहे हैं जो कि प्रोजेक्ट बेस्ड होगा। इससे गुणवत्तापरक शिक्षा को बढ़ावा दिया जाएगा। पेश से उनसे बातचीत के अंश :-

प्रश्न : अभी तक दो महीने के कार्यकाल में सबसे बड़ा काम क्या किया ?

उत्तर : यूपीटीयू के कुलपति का कार्यभार मैंने 30 अप्रैल को संभाला। यहां की सबसे बड़ी चुनौती शैक्षिक सत्र को पटरी पर लाना था। पहले एमटेक, एमफॉर्मा आदि पीजी कोर्सेज व पीएचडी का सत्र करीब आठ महीने तक लेट चलता था। इस शैक्षिक सत्र 2015-16 में हम यूजी, पीजी व पीएचडी सभी कोर्सेज में दाखिले एक साथ कर रहे हैं और रिजल्ट भी समय पर घोषित करने की कोशिश की जा रही है। अब एकेडमिक कैलेंडर पटरी पर आ गया है।

इंजीनियरिंग कॉलेजों में यूजी, पीजी, व पीएचडी के सत्र को इस बार पटरी पर लाया गया

इनोवेशन व इन्क्यूबेशन सेंटर खोलकर गुणवत्तापरक रिसर्च को देंगे बढ़ावा

सिलेबस को प्रोजेक्ट बेस्ड बनाकर गुणवत्तापरक शिक्षा को देंगे बढ़ावा

प्रश्न : सिल बस में किस तरह का बदलाव कर रहे हैं

उत्तर : यूपीटीयू इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट कॉलेजों में प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग को बढ़ावा देने जा रहा है। सिलेबस को इस तरह डिजाइन किया गया है कि स्टूडेंटस को प्रोजेक्ट तैयार करना होगा। थ्योरी के साथ जब वह प्रैक्टिकल नॉलेज की ओर बढ़ेगा तो उसका दिमाग पैराशूट की तरह खुलेगा।

प्रश्न : गुणवत्तापरक शोध को किस तरह बढ़ावा देंगे

उत्तर : गुणवत्तापरक शोध को बढ़ावा देने के लिए हम तीन इंजीनियरिंग कॉलेजों जिसमें एचबीटीआई, आईईटी व यूपीटीटीआई और मदन मोहन मालवीय प्राविधिक विश्वविद्यालय में इनोवेशन व इन्क्यूबेशन सेंटर दिसंबर तक खुल जाएंगे। इन सेंटर पर छात्र अपना आइडिया लेकर आएंगे और यहां पर उन्हें एक्सपर्ट और प्रयोग के लिए जरूरी संसाधन सबकुछ मिलेगा। उसके आइडिया को डवलप करके हम इनोवेशन करेंगे। इससे छात्र खुद का रोजगार स्थापित करने लायक बनेगा। नोएडा कैंपस में इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन तैयार हो रहा है यहां पर नए एमटेक कोर्स शुरू होंगे।

प्रश्न : आखिर कब तक मार्कशीट व डिग्री जैसी समस्याओं के लिए छात्र यूपीटीयू तक दौड़ेंगे